

## हरियाणा दविस, 2024

### प्रमुख बदि

#### ■ पृष्ठभूमि:

- **भाषाई और सांस्कृतिक पहचान:** सांस्कृतिक और भाषाई रूप से अलग हरियाणा ने आज़ादी के बाद पंजाब से स्वायत्तता की मांग की।
  - **राज्य का दर्जा देने की मांग:** प्रमुख नेताओं ने हरियाणा की सांस्कृतिक और भाषाई विशिष्टता पर ज़ोर देते हुए एक हृदी भाषी राज्य की वकालत की।
  - **पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966:** भारतीय [संसद](#) द्वारा पारित, यह अधिनियम हरियाणा और पंजाब राज्यों के साथ-साथ [केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़](#) के निर्माण में महत्त्वपूर्ण था।
  - **शाह आयोग (1966):** न्यायमूर्ति [जे.सी. शाह](#) के अधीन गठित इस आयोग ने [भाषाई जनसांख्यिकी](#) के आधार पर विशिष्ट सीमाओं की सिफारिश की थी।
  - **सिफारिश:** हरियाणा को हृदी भाषी आबादी के अनुरूप क्षेत्र आवंटित किये जाएँ, जिनमें [हिसार और गुड़गाँव](#) जैसे ज़िले भी शामिल हों।
- #### ■ महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व:
- **पंडित भगवत दयाल शर्मा:** हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री, वे पूर्ण राज्य के लिये एक प्रमुख समर्थक थे।
  - **न्यायमूर्ति जे.सी. शाह:** शाह आयोग की अध्यक्षता की, जो हरियाणा की सीमाओं के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण था।

### पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966

- पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 ने पंजाब राज्य के कुछ हिस्सों को अलग करके नए राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया।
- **हरियाणा** एक नया राज्य था, जो राज्य के हृदी भाषी क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया था, जसिमें [हिसार](#), [रोहतक](#), [गुड़गाँव](#), [करनाल](#) और [महेंद्रगढ़](#) ज़िले शामिल थे।
- **हिमाचल प्रदेश** में पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश बनाया गया, जो उस समय केंद्र शासित प्रदेश था। हिमाचल प्रदेश वर्ष 1971 में एक राज्य बना।
- पंजाब की राजधानी [चंडीगढ़](#) को पंजाब और हरियाणा दोनों की अस्थायी राजधानी के रूप में कार्य करने के लिये केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था।
- पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 भारतीय संसद द्वारा **18 सितंबर, 1966** को पारित किया गया था। यह पंजाबी सूबा आंदोलन का परिणाम था, जसिका उद्देश्य पंजाबी भाषी राज्य बनाना था।